बोर्ड परीक्षा में नया पद, नई नियुक्ति और नए सवाल!

जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश पर उठे सवाल, नियुक्ति का आधार और चयन प्रक्रिया स्पष्ट करने की मांग

छिंदवाड़ा। जिला शिक्षा विभाग में माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के संचालन के लिए जिला नोडल अधिकारी की नियुक्ति को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा एक महिला शिक्षक को यह जिम्मेदारी सौंपने के पीछे प्रशासनिक आवश्यकता, पद की उपयोगिता और नियुक्ति के नियमों का स्पष्ट आधार सार्वजनिक नहीं किया गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या यह नियुक्ति किसी ठोस प्रशासनिक जरूरत के तहत की गई है या फिर इस व्यवस्था की नियमसम्मतता की समीक्षा आवश्यक है?महिला शिक्षकों की समस्याओं के समाधान और प्रशासनिक व्यवस्था में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी भी सरकारी व्यवस्था में उद्देश्य के साथ-साथ नियम, पारदर्शिता और जवाबदेही भी जरूरी हैं। यही वजह है कि इस नियुक्ति को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब संबंधित विभाग से मांगा जा रहा है।

जब व्यवस्था पहले से मौजूद, तो अतिरिक्त नोडल अधिकारी की जरूरत क्यों?

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के संचालन के लिए शिक्षा विभाग में पहले से ही निर्धारित प्रशासनिक व्यवस्था मौजूद है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि छिंदवाड़ा जिले में अतिरिक्त जिला नोडल अधिकारी नियुक्त करने की आवश्यकता क्यों महसूस की गई?प्राप्त जानकारी के अनुसार, नियुक्ति आदेश में महिलाओं की संख्या और उनसे संबंधित समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस जिम्मेदारी का उल्लेख किया गया है। यदि महिला शिक्षकों या परीक्षा संबंधी कार्यों में उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अलग व्यवस्था बनाई गई है, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि इसका स्वरूप क्या है और इससे बोर्ड परीक्षा संचालन में किस प्रकार सुधार होगा।क्या इस संबंध में कोई प्रस्ताव तैयार किया गया था? क्या मौजूदा व्यवस्था की कमियों का आकलन किया गया? क्या नियुक्ति से पहले वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति ली गई थी? इन सवालों का जवाब सामने आने पर ही नियुक्ति के औचित्य का आकलन किया जा सकेगा।



एक जिले में नई व्यवस्था, प्रदेश के अन्य जिलों में क्या है स्थिति

इस मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि क्या मध्यप्रदेश के अन्य जिलों में भी बोर्ड परीक्षा संचालन के लिए इसी तरह जिला नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है।यदि अन्य जिलों में भी ऐसी व्यवस्था लागू है, तो उसके नियम और प्रक्रिया सामने रखी जानी चाहिए। वहीं, यदि यह व्यवस्था केवल छिंदवाड़ा में लागू की गई है, तो इसकी विशेष आवश्यकता और प्रशासनिक आधार स्पष्ट करना जरूरी है।क्या माध्यमिक शिक्षा मंडल, लोक शिक्षण संचालनालय, संभागीय संयुक्त संचालक अथवा शासन स्तर से इस संबंध में कोई लिखित मार्गदर्शन प्राप्त किया गया है? क्या नियुक्ति के लिए कोई निर्धारित दिशा-निर्देश जारी हुए हैं?प्रशासनिक नवाचार अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन सरकारी व्यवस्था में किसी नई जिम्मेदारी का निर्धारण नियमों और अधिकारों के अनुरूप होना चाहिए। इसलिए विभाग को संबंधित आदेश और अनुमति का आधार सार्वजनिक करना चाहिए।

वरिष्ठता और योग्यता के मानदंड क्या रहे

नियुक्ति को लेकर दूसरा बड़ा सवाल चयन प्रक्रिया का है। शिक्षा विभाग में कई अनुभवी शिक्षक कार्यरत हैं। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि जिला नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपने के लिए किन मानदंडों को आधार बनाया गया।विभाग में मनीषा मिश्रा, अंजली गुप्ता सहित अन्य अनुभवी शिक्षकों की उपलब्धता के संदर्भ में यह जानना जरूरी है कि क्या पात्र शिक्षकों के अनुभव और वरिष्ठता पर विचार किया गया था।क्या इस जिम्मेदारी के लिए कोई निर्धारित योग्यता तय थी? क्या प्रशासनिक अनुभव को प्राथमिकता दी गई? क्या अन्य पात्र शिक्षकों से विकल्प मांगे गए या सीधे नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया गया?हालांकि, केवल किसी दूसरे शिक्षक के वरिष्ठ होने से नियुक्ति को गलत नहीं माना जा सकता। लेकिन यदि नियुक्ति की प्रक्रिया और उसके मानदंड स्पष्ट नहीं हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है।यदि चयन योग्यता और प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर किया गया है, तो संबंधित दस्तावेज सामने रखकर स्थिति स्पष्ट की जा सकती है। इस नियुक्ति पर चर्चा के बीच एक व्यंग्यात्मक सवाल भी उठ रहा है। यदि अतिरिक्त कार्यभार और विशेष समस्याओं के समाधान के लिए अलग नोडल अधिकारी नियुक्त करना उचित है, तो क्या अन्य विभागों में भी इसी आधार पर नई व्यवस्थाएं बनाई जाएंगी?क्या कलेक्टर, एसडीएम, पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों की सहायता के लिए भी अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे? क्या जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यभार को कम करने के लिए भी कोई अतिरिक्त व्यवस्था बनाई जाएगी?बेशक, हर विभाग की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियां अलग होती हैं। इसलिए इन पदों की सीधी तुलना नहीं की जा सकती। लेकिन यह तर्क जरूर महत्वपूर्ण है कि किसी भी अतिरिक्त जिम्मेदारी या पद के पीछे स्पष्ट प्रशासनिक जरूरत और निर्धारित प्रक्रिया होनी चाहिए।

व्यक्तिगत निकटता और आर्थिक लेन-देन की चर्चा, लेकिन प्रमाण जरूरी

नियुक्ति को लेकर कुछ लोगों के बीच कथित व्यक्तिगत निकटता और आर्थिक लेन-देन से संबंधित चर्चाएं भी सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि करने वाले दस्तावेज या ठोस प्रमाण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं।ऐसी स्थिति में किसी भी व्यक्ति को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। इन आशंकाओं की वास्तविकता जानने के लिए नियुक्ति आदेश, संबंधित फाइल की नोटशीट, अनुमोदन और चयन प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच जरूरी है।यदि जांच में किसी प्रकार के अनुचित प्रभाव या आर्थिक लेन-देन के प्रमाण मिलते हैं, तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, यदि नियुक्ति पूरी तरह नियमों के अनुरूप है, तो विभाग को दस्तावेजों के माध्यम से स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। मामले में अब जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। क्या जिला कलेक्टर नियुक्ति के आधार और प्रक्रिया की समीक्षा कराएंगे? क्या संबंधित अधिकारी यह स्पष्ट करेंगे कि नई व्यवस्था से बोर्ड परीक्षा संचालन में क्या ठोस लाभ होगा?शिक्षा विभाग को यह भी बताना चाहिए कि नियुक्ति के बाद संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारियां क्या होंगी और उनकी जवाबदेही किस स्तर पर निर्धारित की जाएगी।यदि व्यवस्था से परीक्षा संचालन में सुधार, महिला शिक्षकों की समस्याओं का त्वरित समाधान और प्रशासनिक समन्वय बेहतर होता है, तो इसके परिणाम सामने आने चाहिए। लेकिन यदि नियुक्ति के पीछे कोई स्पष्ट प्रशासनिक आवश्यकता नहीं है, तो उसकी समीक्षा भी जरूरी है।

सात सवाल, जिनका जवाब जरूरी

इस पूरे मामले में शिक्षा विभाग से निम्नलिखित बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट करने की अपेक्षा है पद का आधार क्या है? जिला नोडल अधिकारी की नियुक्ति के लिए कौन-सा शासनादेश या विभागीय नियम लागू है, अनुमति किसने दी? क्या संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों अथवा शासन स्तर से लिखित अनुमोदन प्राप्त किया गया, चयन प्रक्रिया क्या रही? क्या योग्यता, वरिष्ठता और अनुभव के निर्धारित मानदंड अपनाए गए। अन्य शिक्षकों पर विचार हुआ या नहीं? क्या विभाग के अन्य पात्र और अनुभवी शिक्षकों की उपलब्धता का आकलन किया गया। अन्य जिलों में क्या व्यवस्था है? क्या मध्यप्रदेश के दूसरे जिलों में भी इसी प्रकार की नियुक्तियां की गई हैं। अतिरिक्त व्यवस्था की जरूरत कैसे तय हुई? क्या बोर्ड परीक्षा संचालन में किसी समस्या या कार्यभार की कमी का लिखित आकलन किया गया था। क्या आदेश की समीक्षा होगी? क्या जिला प्रशासन और वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी नियुक्ति की नियमसम्मतता की जांच करेंगे।

महिला सशक्तीकरण नहीं, नियुक्ति की प्रक्रिया है असली मुद्दा

इस पूरे मामले में महिला प्रतिनिधित्व और महिला सशक्तीकरण को विवाद का विषय बनाना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि क्या नियुक्ति निर्धारित नियमों, प्रशासनिक आवश्यकता और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत की गई है?सरकारी विभागों में नई जिम्मेदारियां तय करना गलत नहीं है, लेकिन उनके लिए स्पष्ट आधार और जवाबदेही जरूरी है। यदि नियुक्ति नियमों के अनुरूप है, तो संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक कर उठ रहे सवालों का समाधान किया जा सकता है। यदि प्रक्रिया में कोई अनियमितता सामने आती है, तो निष्पक्ष जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।अब देखना यह है कि छिंदवाड़ा शिक्षा विभाग इस नियुक्ति का स्पष्ट आधार सामने रखता है या फिर जिला नोडल अधिकारी की नियुक्ति से जुड़े सवालों का जवाब मिलने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा।

पूर्व सांसद नकुलनाथ ने कांग्रेस नेताओं के घर पहुंचे

सौंसर। पांढुर्णा किसान आंदोलन के पश्चात शनिवार को पूर्व सांसद नकुलनाथ सौसर आगमन पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के निवास स्थान पहुंचकर उनके सुख-दुख में सहभागिता निभाई तथा शोक संतप्त परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया।पूर्व सांसद नकुलनाथ ने बेरडी रोड स्थित प्रसिद्ध भवानी माता मंदिर पहुंचकर मां भगवती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर ट्रस्ट कमेटी की ओर से उनका आत्मीय स्वागत-सत्कार किया गया। इस दौरान नकुलनाथ ने मंदिर समिति एवं महिला भजन मंडल की महिला कलाकारों से आत्मीय बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया।आगमन पर नकुलनाथ ने पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष सुखमण बेण्डे, वार्ड क्रमांक 14 में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिवंगत निजाम भाई मंसूरी, ग्राम बेरडी में पूर्व सरपंच दिलीप गुरुवे तथा रंगारी में पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष भगवतराव महाजन के निवास पहुंचकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में एक की मौत, दूसरा गंभीर

सौंसर-लोधीखेड़ा मार्ग पर सुबह 6 बजे हुआ भीषण हादसा, नागपुर रेफर किया गया घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

सौंसर-लोधीखेड़ा मार्ग पर शनिवार सुबह दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण भिड़ंत में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि ईश्वर गोखे (52) ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लोधीखेड़ा के वार्ड क्रमांक 2 निवासी ईश्वर गोखे अपनी एक्टिवा से सौंसर की ओर आ रहे थे। वे बोरगांव स्थित एक कंपनी में कार्यरत थे और मेहनत कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। शनिवार सुबह करीब 6 बजे वे सौंसर में निमजे परिवार के यहां जा रहे थे।इसी दौरान दूसरी ओर से बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार ऋषि वीरखरे चमत्कारिक हनुमान मंदिर, जाम सावली से भीलापार की ओर जा रहे थे। बेरडी-रंगारी मार्ग पर घोड़मारे के मकानों के पास, हीवरा के आगे दोनों वाहनों की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ईश्वर गोखे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ऋषि वीरखरे गंभीर रूप से घायल हो गए।



फाउंडेशन की टीम ने पहुंचाया अस्पताल

दुर्घटना की सूचना मिलते ही यू फॉर एच फाउंडेशन की टीम ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए ऋषि वीरखरे को बेहतर उपचार के लिए नागपुर रेफर कर दिया गया।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

ईश्वर गोखे अपने पीछे पत्नी और दो पुत्रियों को छोड़ गए हैं। परिवार के मुखिया की अचानक मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे की खबर मिलते ही लोधीखेड़ा क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

नकुलनाथ के समक्ष हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस में सम्मिलित हुए भाजपा नेता अमित सक्सेना

कांग्रेस में घर वापसी की शुरुआत छिन्दवाड़ा से हो चुकी है: नकुलनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के समक्ष राजीव भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में जिला पंचायत उपाध्यक्ष व भाजपा नेता अमित सक्सेना ने हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। नकुलनाथ ने अमित सक्सेना साथ राजीव भवन पहुंचे समर्थकों का कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनाकर स्वागत किया।

आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए माननीय नकुलनाथ जी ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने कहा है कि कांग्रेस में घर वापसी अभियान प्रारंभ किया जाएगा।



कांग्रेस में घर वापसी की शुरुआत छिन्दवाड़ा से हो चुकी है। छिन्दवाड़ा मॉडल से इस अभियान की शुरुआत हुई है यह हमारे लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दरवाजे खुले हैं, लेकिन सिर्फ उन लोगों के लिए जिन्हें अपनी गलती का एहसास हो। जो गलती स्वीकार करेंगे, उनके लिए पार्टी के दरवाजे खुले हैं, लेकिन सभी के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि पांढुर्ना जिले में हुए किसान आंदोलन में साफ दिखाई दिया की जनता में मौजूदा सरकार के खिलाफ आक्रोश है, क्योंकि समाज का हर वर्ग त्रस्त और परेशान है। उन्होंने अंत में समस्तजनों को नवरात्रि की बधाई दी।

अमित सक्सेना ने सम्बोधित करते हुए कहा कि उनके पिता और उन्हें नेता बनाने वाले कमलनाथ है। मैंने उन्हें धोखा दिया वह दुर्भाग्य से लिया गया निर्णय था। उन्होंने अपने निर्णय पर पछतावा करते हुए कमलनाथ, नकुलनाथ सहित उपस्थित समस्त कांग्रेसजन परिवार के सदस्यों से क्षमा मांगी। उन्होंने कहा क्षमा के अलावा कोई दूसरा शब्द नहीं है। भूल हुई है इसके लिए माफी मांगता हूं। उन्होंने आगे कहा कि कमलनाथ एवं नकुलनाथ जैसा जनप्रतिनिधि छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र को कभी नहीं मिल सकता।

बाघ के हमले में युवक की दर्दनाक मौत, गुमतरा पेंच नेशनल पार्क क्षेत्र में घटना से दहशत



बिछुआ/गुमतरा। पेंच नेशनल पार्क क्षेत्र के गुमतरा में बाघ के हमले में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान विजय पिता फूलसिंग उईके के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वहीं, वन विभाग का अमला मामले की जांच में जुट गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, विजय उईके खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक बाघ ने उस पर हमला कर दिया। हमले में युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी।सूचना मिलते ही गुमतरा पेंच नेशनल पार्क का वन अमला घटनास्थल पर पहुंचा। वन विभाग द्वारा घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है और मामले की जांच की जा रही है।इस घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। खेतों में काम करने वाले किसानों और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग क्षेत्र में निगरानी बढ़ाए और लोगों को वन्यजीवों की मौजूदगी के प्रति सतर्क रहने के लिए जागरूक करे।फिलहाल, घटना से जुड़े अन्य विवरणों और वन विभाग की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

खेत में काम कर रहा था विजय उईके, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचा वन विभाग का अमला

बिछुआ में चंदा वसूली पर बवाल: विश्व हिन्दू परिषद के नाम पर वसूली करने वालों से सावधान रहने की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

धार्मिक आयोजनों और संगठनों के नाम पर चंदा वसूली का मामला अब बिछुआ में तूल पकड़ने लगा है। क्षेत्र में स्कूलों और शासकीय कार्यालयों में पहुंचकर शिक्षकों तथा सरकारी कर्मचारियों पर कथित तौर पर दबाव बनाकर चंदा वसूलने की शिकायतें लंबे समय से सामने आ रही थीं। अब विश्व हिंदू परिषद के नाम पर चंदा लेने की शिकायत के बाद संगठन ने सार्वजनिक रूप से लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि विनोद मालवीय और बापू आरगोड़े नामक व्यक्ति विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता नहीं हैं। ऐसे में इन व्यक्तियों को संगठन के नाम पर किसी भी धार्मिक या संगठनात्मक आयोजन के लिए राशि नहीं देने की अपील की गई है।

संगठन के नाम पर चंदा लेने की शिकायत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद के बिछुआ प्रखंड के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के संज्ञान में यह मामला आया कि कुछ लोग संगठन का पदाधिकारी या बजरंग दल का कार्यकर्ता बताकर आयोजन के नाम पर चंदा एकत्र कर रहे हैं। इसके बाद संगठन की ओर से स्थिति स्पष्ट करते हुए संबंधित व्यक्तियों के नाम सार्वजनिक किए गए।संगठन ने कहा है कि विनोद मालवीय और बापू आरगोड़े का विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल से कोई संबंध नहीं है। इसलिए आम नागरिकों को उनके दावों के आधार पर किसी प्रकार की राशि नहीं देनी चाहिए।यह अपील ऐसे समय आई है, जब बिछुआ क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों, समितियों और विभिन्न संगठनों के नाम पर चंदा एकत्र करने के तरीकों को लेकर सवाल उठ रहे हैं।



प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण

संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रशासन को अवैध वसूली की सूचना मिलती है, तो वह नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है। अब सवाल यह है कि स्कूलों और शासकीय कार्यालयों में चंदा वसूली से जुड़ी शिकायतों पर प्रशासन क्या कदम उठाता है। जरूरत है कि संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, चंदा मांगने वालों की पहचान और उनके दावों की पुष्टि की जाए तथा दबावपूर्वक वसूली के प्रमाण मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बिछुआ में अब यह मामला केवल चंदा मांगने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि धार्मिक संगठनों के नाम और पहचान के कथित दुरुपयोग से भी जुड़ गया है। लोगों को सतर्क रहने के साथ किसी भी संगठन के नाम पर राशि देने से पहले संबंधित पदाधिकारियों से पुष्टि करनी चाहिए।

स्कूलों और सरकारी कार्यालयों में दबाव बनाने की शिकायतें

स्थानीय स्तर पर लंबे समय से ऐसी शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है कि कुछ लोग स्कूलों और शासकीय कार्यालयों में पहुंचकर शिक्षकों तथा सरकारी कर्मचारियों से चंदा मांगते हैं। आरोप है कि कई बार धार्मिक या सामाजिक आयोजन का हवाला देकर राशि देने के लिए दबाव बनाया जाता है।यदि इन शिकायतों की पुष्टि होती है, तो यह गंभीर मामला है।

सरकारी कर्मचारियों से किसी आयोजन के नाम पर दबाव

पूर्वक राशि लेना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है, बल्कि स्वैच्छिक सहयोग की मूल भावना के भी विपरीत है।हालांकि, इन शिकायतों की व्यापकता, संबंधित व्यक्तियों की भूमिका और कथित वसूली की घटनाओं की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। ऐसे में प्रशासन को शिकायतों की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

चंदा स्वैच्छिक सहयोग या दबावपूर्वक वसूली

धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए नागरिकों से सहयोग लेना सामान्य बात है। लेकिन सहयोग तभी उचित है, जब वह स्वेच्छा से दिया जाए। किसी संगठन का नाम इस्तेमाल करके लोगों को प्रभावित करना, पदाधिकारी होने का दावा करना या सरकारी कर्मचारियों पर दबाव बनाकर राशि लेना गंभीर सवाल खड़े करता है।विश्व हिंदू परिषद की ओर से जारी अपील का उद्देश्य भी संगठन के नाम पर कथित रूप से राशि एकत्र करने वालों से लोगों को सावधान करना है।

इनका कहना है

बिछुआ में चंदा मांगने वाले कथित लोग हमारे पदाधिकारी नहीं है। अगर कोई विश्व हिन्दू परिषद या बजरंग दल के नाम पर चंदा मांगने का प्रयास करता है तो उसकी पुलिस में शिकायत करें और जिला विश्व हिन्दू परिषद के जिला कार्यालय में भी सूचना प्रदान करें।



गौरव सैन, जिला मंत्री,
विश्व हिन्दू परिषद छिंदवाड़ा

मातारानी की आकर्षक झांकियां



माँ दुर्गा उत्सव समिति पिपल चौक गोपालपुर में विराजी माँ भवानी की आकर्षक झांकी।



सचिन चौकसे पाटनी चौक स्थित विराजी माँ भवानी।

51 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्थल का भूमि पूजन संपन्न

जुन्नारदेव। नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव द्वारा नगर के मुख्य मार्ग तामिया रोड पर 51 फीट ऊंचे स्थायी राष्ट्रीय ध्वज स्थल के निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न किया गया। नगर पालिका परिषद के प्रांगण के समीप प्रस्तावित स्थल पर आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सालोडे एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेहा धुर्वे सहित जनप्रतिनिधि और नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय ध्वज स्थल का निर्माण नगर पालिका परिषद द्वारा 10 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा।



श्रीराम की शरण में आए विभीषण, अंगद ने किया युद्ध घोष

छिंदवाड़ा। श्रीरामलीला का चौदह दिवसीय मंचन के ग्याहरवें दिवस का मंचन किया गया। मण्डल के संरक्षक कस्तूरचन्द जैन ने बताया कि रावण अपने दरबार मे गुप्तचर द्वारा सूचना दी गई कि श्रीराम की सेना ने लंका पर चढ़ाई की योजना बना ली है। यह समाचार सुनकर विभीषण रावण को ज्ञान एवं नीति के उपदेश स्मरण करवाते है इससे क्रोधित होकर रावण विभीषण पर पैरों से प्रहार कर उन्हें देश से बाहर जाने का आदेश देता है। लंका से निकाले जाने के बाद विभीषण श्रीराम की शरण मे चले जाते है एवं उनसे मित्रता करते है। श्रीराम विभीषण को रलंकेश्वरर कहकर संबोधित करते है एवं उन्हें लंका का राजा घोषित करते है। इसके उपरांत योजना अनुसार श्रीराम जी की सेना समुद्र पर सेतू बंधान करती है एवं एल. ई. डी. के माध्यम से दृश्य को बखूबी तरह से मंचन किया गया। श्री राम , लक्ष्मण, हनुमानजी, सुग्रीव, विभीषण एवं जामवंत सम्पूर्ण सेना सहित लंका की सीमा में प्रवेश करते है। श्रीराम की आज्ञा पाकर युवराज अंगद रावण से संधि का प्रस्ताव लेकर निकलते है। हनुमानजी के लंका दहन एवं श्रीराम के समुद्र सेतू पार करने से रावण चिंतित होता है एवं उसके दस शीश एक साथ बोल पड़ते है। श्रीराम की आज्ञा से अंगद जी लंका की राज सभा के लिए निकलते है मार्ग में रावण के पुत्र राजकुमार से युद्ध होता है एवं अंगद जी उसका वध करते है। राजसभा में पहुँचकर अंगद जी रावण को जानकी को वापस करने एवं न करने पर भयंकर परिणाम के विषय मे बताते है। अहंकार के मद में चूर रावण अंगद की कोई बात नही सुनता अंत मे अंगद राजसभा में अपने पैर को जमा लेते है एवं चुनौती देते है कि यदि कोई सभासद तनिक मात्र भी पैर हिला देगा तो श्रीराम जानकी को हार जाएंगे। सभी सभासद प्रयास करने परन्तु सभी निष्फल हो जाते है। इस प्रकार अंगद जी अपनी बुद्धि एवं बल का परिचय देकर युद्ध की घोषणा करते है। समिति के संतोष जैन सरल ने बताया कि रावण की भूमिका में जितेंद्र सोनी, विभीषण की भूमिका में नीरज चौरसिया, अंगद की भूमिका में पार्थ द्विवेदी एवं राजकुमार की भूमिका ईशान दुबे ने निभाई। इसके साथ ही श्री श्रीराम की प्रमुख भूमिका में रजत पांडे, लक्ष्मण का अभिनय आयुष शुक्ला द्वारा निभाया जा रहा है। वही हनुमान जी की भूमिका संतोष कुशवाह अदा कर रहें है। सुग्रीव की भूमिका में अजय चौकसे दिखाई दिए।

'चुनरी वाले भैया' की चुनरी यात्रा में उमड़ रहा आस्था का जनसैलाब



जुन्नारदेव :- माँ दुर्गा के प्रति अटूट आस्था, जनसेवा का संकल्प और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की मंगलकामना के साथ विधायक सुनील उईके की नौ दिवसीय चुनरी यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है। यात्रा में जगह-जगह उमड़ रहा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, ढोल-नगाड़ों के बीच गूंजते जयकारे और भक्तों का उत्साह इसे विशेष बना रहे हैं। इसी धार्मिक परंपरा के चलते विधायक सुनील उईके को क्षेत्र में 'चुनरी वाले भैया' के नाम से पहचान मिली है।पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ की प्रेरणा से वर्ष 2013 में प्रारंभ हुई यह यात्रा अपने 14वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्र में आयोजित होने वाली इस यात्रा के माध्यम से विधायक सुनील उईके विभिन्न ग्रामों के दुर्गा पंडालों में पहुँचकर माँ दुर्गा को चुनरी एवं प्रसाद अर्पित करते हैं और क्षेत्रवासियों की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना करते हैं।नैनादेवी से शुरू हुआ सफर, गाँव-गाँव पहुँच रही चुनरी यात्रानवरात्र की प्रतिपदा पर जुन्नारदेव में बाबा भोलेनाथ का पूजन करने के बाद तामिया के तुलतुला पहाड़ पर विराजमान माँ नैनादेवी को प्रथम चुनरी अर्पित कर यात्रा का शुभारंभ हुआ। इसके बाद यात्रा तामिया, चावलपानी, नवेगांव एवं दमुआ ब्लॉक के विभिन्न ग्रामों तक पहुँची। 16 अक्टूबर को डुंगरिया, घोड़ावाड़ी एवं दमुआ के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों तथा 17 अक्टूबर को रामपुर, तानसी एवं राखीकोल क्षेत्र में यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।विधायक सुनील उईके ने विभिन्न दुर्गा पंडालों में पहुँचकर माताराणी को चुनरी एवं प्रसाद अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जगह-जगह हुए स्वागत और धार्मिक आयोजनों में ग्रामीणों की सहभागिता ने यात्रा के वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

माताराणी के जयकारों से गूंज रहा सौंसर क्षेत्र

भक्तिमय माहौल में प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, भवानी माता मंदिर में हो रहा भंडारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

नगर और अंचल क्षेत्र में इन दिनों नवरात्रि पर गरबे की जबरदस्त धूम मची हुई है। शाम ढलते ही नगर के सिविल लाइंस, मोहगांव मार्ग, सावता चौक, मोक्ष धाम के सामने, छिंदवाड़ा रोड पटेल कॉलोनी, मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी कार्यालय परिसर, गजानन कॉलोनी और बेरडी मार्ग सहित विभिन्न स्थानों पर युवा, युवतियां, बच्चे व बुजुर्ग माता रानी के गीतों पर थिरकते नजर आ रहे हैं। विभिन्न सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा आयोजित गरबा महोत्सव में उत्साह, उमंग और भक्ति का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है। गरबा प्रतियोगिताओं के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जोड़ियों को पुरस्कृत भी किया जा रहा है।



पदयात्रा कर जा रहे बजारी माता मंदिर

नवरात्र महोत्सव पर बड़ी संख्या में सौसर नगर और आसपास के ग्रामों के माता रानी के भक्त बड़ी संख्या में सुबह पदयात्रा करते हुए बंजारी माता मंदिर में पहुंचकर 5 की आरती में शामिल हो रहे हैं। वही बड़ी संख्या में बंजारी माता मंदिर में नागपुर से युवा भी बाइक के माध्यम से पहुंचकर माता रानी के दर्शन और आरती का पुण्य लाभ ले रहे हैं।

बंजारी माता मंदिर ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष मोरेश्वर धुर्वे ने बताया कि नवरात्र महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन यहां पर धार्मिक आयोजन हो रहे जिसमें हजारों भक्त माता रानी के दर्शन कर रहे हैं।वही प्रतिदिन भजन आरती देवी कथा के साथ में महाप्रसाद का वितरण भी किया जा रहा है। मनोकामना कलश की स्थापना भी की गई है।

भवानी माता मंदिर में हर दिन हो रहा है भंडारा

सौसर नगर के बेरडी मार्ग पर स्थित भवानी माता मंदिर परिसर में नवरात्र महोत्सव पर प्रतिदिन शाम को 7 बजे विशाल भंडारा एवं महाप्रसाद का वितरण किया जा रहा है।महाप्रसाद वितरण प्रतिदिन 6 से 8000 माता रानी के भक्त पहुंचकर आरती पूजन के साथ में महाप्रसाद ग्रहण कर रहे है। मन प्रसाद वितरण में मोहन ताजने,इंदरचन्द डागा, राधेश्याम सुधा, मिडास ताज कोचिंग,मारोती लोनारे,रश्मि हुडकर,जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहड़,आर्यन नीरज दुमने,आदि के दवरा किया जा रहा है।शुक्रवार को स्वर्गीय राजू ठाकुर कि स्मृति में ठाकुर परिवार सौसर की ओर से महाप्रसाद का वितरण किया गया।

नवरात्रि पर छिंदवाड़ा में सजेगी निराकार शिव और चैतन्य देवियों की भव्य झांकी



छिंदवाड़ा। नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा द्वारा निराकार शिव एवं चैतन्य देवियों की भव्य झांकी का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति, शक्ति और सकारात्मकता का संदेश दिया जा रहा है।झांकी का आयोजन नरसिंहपुर रोड स्थित लाल पार्क के पास ब्रह्माकुमारीज सेंटर, विश्व दर्शन भवन में किया जा रहा है। यहां प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक श्रद्धालु झांकी के दर्शन कर सकेंगे।आयोजकों के अनुसार, नवरात्रि का पर्व शक्ति की आराधना और आध्यात्मिक जागृति का प्रतीक है। इसी भावना के साथ झांकी के माध्यम से श्रद्धालुओं को शिव शक्ति के संदेश से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।ब्रह्माकुमारीज केंद्र की ओर से सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर झांकी के दर्शन करने और आध्यात्मिक शांति का अनुभव प्राप्त करने की अपील की गई है।

रानी कैकई ने मांगे राजा दशरथ से वरदान, राम को हुआ वनवास, श्रीराम वन गमन की कथा का हुआ मंचन

जुन्नारदेव। शताब्दी वर्ष में नगर की ऐतिहासिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक, धरोहर श्री रामलीला मंच पर शुक्रवार रात्रि में श्री राम वन गमन की कथा का मंचन किया गया। कथा के पूर्व रामलीला मंच पर जनकपुरी में सीता स्वयंवर उपरांत चारों राजकुमारों का विवाह संपन्न होता है। विवाह के दौरान आकर्षक गारी गीतों ने दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके उपरांत राजा दशरथ श्री राम को राजा बनाने की घोषणा करते हैं और राज्याभिषेक की तैयारी करने के आदेश देते हैं इसी दौरान दासी मंत्रा की कूटनीति के चलते रानी कैकेई की मति भ्रष्ट हो जाती है और वह राजा दशरथ से उन्हें दिए गए दो बार मांगने की बात कहती है। राजा दशरथ द्वारा सहज भाव से रानी को वचन दिया जाता है कि वह उन्हें उनके दो बर प्रदान करेंगे जिसमें रानी कैकई द्वारा प्रथम बर में अपने पुत्र भरत का राज्याभिषेक एवं राम को 14 वर्षों का वनवास मांगा जाता है। इस मार्मिक प्रसंग ने दर्शकों के दिलों को झकझोर कर रख दिया। अपने वचनों और पुत्र मोह के बीच फंसे महाराज दशरथ का विलाप इतना भावुक था कि पंडाल में रामलीला मैदान में बैठे दर्शक भावुक हो गए। राम, सीता और लक्ष्मण का त्यागएक तरफ जहाँ राजमहल में शोक की लहर थी।

गुजराती समाज गरबा महोत्सव अपने चरम पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

गुजराती समाज भवन में आयोजित गरबा महोत्सव नवरात्रि के बढ़ते एक एक दिन के साथ पूरे भक्ति भाव के साथ अपने आस्था के रंग में रंगता चला जा रहा है। समाज भवन में विशेष अतिथि के रूप में लघु उद्योग निगम भोपाल के अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह ने मां की पूजा अर्चना की और कहां कि गुजरात से चला यह गरबा आज पूरे विश्व में न केवल गुजरात की संस्कृति को फैला रहा है बल्कि गुजरातियों की पहचान बन गया है।

गुजराती महिला मंडल द्वारा लगातार मां के साक्षात रूप के साथ विशेष गरबा प्रस्तुति दी जा रही है उसी क्रम में मां कात्यायनी का रूप



धर प्रस्तुति दी गई जिसमें कात्यायनी मां की भूमिका श्रीमती संस्कृति शाह ने निभाई भव्य शाह और कल्प शाह मां के वाहन सिंह के रूप में नजर आए वही ग्रुप लीडर विद्या शाह तथा अन्य सदस्य श्वेता शाह, शिप्रा बटाविया, भक्ति शाह, राशि रूपड़ा,भूमि रूपड़ा थे। कपल प्रतियोगिता में आयु वर्ग 40 वर्ष से कम में प्रथम स्थान श्रीमती पंक्ति शाह एवं भाविक शाह द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से श्रीमती जिया परमार एवं दुष्यंत परमार और श्रीमती ख्याति परमार एवं हर्षिल परमार रहे वही तृतीय स्थान श्रीमती कृष्णा चौहान एवं हर्ष चौहान ने प्राप्त किया। 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के ग्रुप में प्रथम स्थान श्रीमती अमीषा शाह एवं जैमिन शाह द्वितीय स्थान श्रीमती सीमा भट्ट एवं मनीष भट्ट तथा तृतीय स्थान पर श्रीमती हिना सावला एवं जतिन सावला रहे प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका पारुल पांडे एवं मधु शुक्ला ने निभाई महिला मंडल सचिव श्रीमती सीमा भट्ट एवं उपाध्यक्ष श्रीमती तुलसी शुक्ल द्वारा निर्णायक द्वय का माता रानी के दुपट्टे से सम्मान कर स्मृति चिन्ह के रूप में मां अंबे की छवि भेंट की गई।

इस अवसर पर सांसद सचिव जितेंद्र सोलंकी अपने परिवार सहित तथा एसबीआई नई आबादी के ब्रांच मैनेजर प्रणव शुक्ला अपने परिवार सहित उपस्थित रहे समाज के पदाधिकारी द्वारा उनका भी सम्मान किया जाकर अंबे मां की छवि भेट की गई।



27 किमी चुनरी लेके चले कुबेर, मानकादेही से हिंगलाज मंदिर तक निकाली चुनरी पदयात्रा

उमरेठ। भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष एवं जनपद सदस्य कुबेर सिंह सूर्यवंशी ने मानकादेही खुर्द से माँ आदिशक्ति हिंगलाज माई की मंदिर विशाल एवं भव्य चुनरी यात्रा निकाली जो मानकादेही से निकलकर गौमुख मंदिर,लालमढ़ी, उमरेठ, शिलादेही एवं अन्य प्रमुख स्थान होते हुए माँ हिंगलाज मंदिर पहुची माँ आदिशक्ति को चुनरी चढ़ाई गई पूजन अर्चन हुआ एवं आरती पश्चात विशाल भव्य चुनरी यात्रा का समापन किया गया। गौरतलब हो की विगत वर्ष भी कुबेर सूर्यवंशी द्वारा यह चुनरी यात्रा निकाली गई थी। नवरात्र के पावन पर्व पर निकाली गई चुनरी यात्रा में सेकड़ो श्रद्धालु सम्मलित हुए। साधना जप के महापर्व जहाँ पूरे देश में माँ आदिशक्ति की आराधना हो रही है वही 27 किलोमीटर चुनरी यात्रा का आयोजन माँ के प्रति आत्मिक भक्ति एवं अविरल आस्था का प्रतीक है।

कथक में खुशी सूर्यवंशी ने SOS में प्रथम और BPA में पूरे मध्यप्रदेश में प्राप्त किया तृतीय स्थान

हरिभूमि न्यूज, छिंदवाड़ा। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर में कथक नृत्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर छिंदवाड़ा की खुशी सूर्यवंशी ने जिले का नाम रोशन किया है। खुशी ने **SOS** (कथक) में प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं **BPA** (कथक) में संपूर्ण मध्यप्रदेश में तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।छिंदवाड़ा की कोऑपरेटिव बैंक कॉलोनी निवासी हरी सूर्यवंशी एवं शशि सूर्यवंशी की पुत्री खुशी की इस सफलता से परिवार में हर्ष का माहौल है। उनकी उपलब्धि को कठिन साधना, निरंतर परिश्रम और कलात्मक प्रतिभा का परिणाम माना जा रहा है।खुशी ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों के मार्गदर्शन, माता-पिता के आशीर्वाद और विशेष रूप से पिता के सहयोग को दिया। उन्होंने बताया कि पिता ने हमेशा उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने और अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।



अंतरराष्ट्रीय बौद्ध मैत्री महासम्मेलन संपन्न, संविधान, सामाजिक न्याय और भ्रष्टाचार पर गरजे वक्ता

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

सामाजिक एवं ग्रामीण उद्यमिता विकास समिति उमरी (कटंगी) के तत्वाधान में 70वें धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस के पावन अवसर पर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध मैत्री महासम्मेलन का भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन 17 अक्टूबर शनिवार को बुद्ध भूमि उमरी में संपन्न हुआ। 14 अक्टूबर 1956 को दीक्षा भूमि नागपुर में डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर द्वारा लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धम्म की दीक्षा लेने की ऐतिहासिक घटना की स्मृति में प्रतिवर्ष यह सम्मेलन प्रज्ञा, शील, करुणा और मैत्री के साथ आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे से परिक्रमा, वंदना, परित्राण पाठ और पूज्य भंते संघ द्वारा धम्म देशना के साथ हुई। इस अवसर पर बालाघाट जिले के प्रथम बौद्ध भिक्षु भदन्त सत्यशील महाथेरो के अस्थि कलश के दर्शन की विशेष व्यवस्था की गई, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। दोपहर 3 बजे से स्वागत समारोह एवं मंचीय उद्बोधन प्रारंभ हुआ। मानव सेवा के तहत सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर लगाया गया। वहीं 10 और 12वीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मान किया गया। 'प्रमुख अतिथि विपिन वानखेड़े ने एसआईआर पर उठाए सवाल-

प्रमुख अतिथि आगर-मालवा के पूर्व विधायक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एनएसयूआई विपिन वानखेड़े ने कहा कि इस समय देश मे एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी एफआईआर हुआ है, जिसका विश्लेषण करने की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिए डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के अनुयायियों के नाम काटे गए हैं। यह केवल नाम काटने का काम नहीं है, बल्कि एक प्रकार से देश की नागरिकता खत्म करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने उमरी में आयोजित बौद्ध मैत्री सम्मेलन के आयोजकों की सराहना भी की। इससे पूर्व तिरोड़ी तहसील से दयाल वासनिक, सागर कटौते, प्रशांत हुमनेकर, अनमोल शर्मा, प्रवीण खोब्रागड़े, रोहित नेवारे, मनी सेन्दरे, अभिषेक पारधी, गोल्डी रामटेके, सत्यम मेश्राम, वैभव श्रीवास, सलमान



खान सहित कार्यकर्ताओं ने बाइक, कार रैली निकालकर विपिन वानखेड़े का भव्य स्वागत करते हुए कटंगी तक लाया।

भ्रष्टाचार को बताया सबसे बड़ा मुद्दा- आजाद सिंह

सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा अधिकारी आजाद सिंह डबास ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद वे कांग्रेस में पिछड़ा वर्ग संयोजक और आम आदमी पार्टी में मुख्य वक्ता के रूप में काम कर चुके हैं, लेकिन दोनों ही दलों में उन्हें लगा कि यह मंच उनके लिए नहीं है। अब वे दोनों दलों से दूर रहकर सिस्टम परिवर्तन अभियान चला रहे हैं और सामाजिक न्याय के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे भ्रष्टाचार, जातिवाद और सांप्रदायिकता को अपना दुश्मन मानते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है, जिसके मुखिया प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान हैं। इसके अलावा पूर्व मंत्री संजय पाठक, विजय शाह जैसे करीब 6 मंत्री और कई आईएएस और आईपीएस अधिकारी भी दोषी हैं, जिनके खिलाफ ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई गई हैं। देश और प्रदेश का सबसे बड़ा मसला भ्रष्टाचार ही है।

उमरी को घोषित करो कटंगी की दीक्षा भूमि: मुख्य अतिथि महाराष्ट्र शासन के पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक नितिन राउत ने कहा कि उमरी की धरती पर खड़े होने पर उन्हें गौरव महसूस हो रहा है। समिति ने यहां अम्बेडकर और बुद्ध के विचारों को सींचा है। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी का जिक्र करते हुए कहा कि इस क्षेत्र से पूर्व सांसद कचरूलाल जैन और गिरधारी लाल नगपुरे का नाम लिया। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार से मांग की कि उमरी की भूमि को कटंगी की दीक्षा भूमि घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि आज हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जब युवा सड़क पर उतरा है। आज की सरकार संविधान को नहीं मानती। वह शपथ तो संविधान की लेती है, परंतु काम मनुस्मृति के हिसाब से करती है। देश में परिवर्तन लाने की जरूरत है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इंजी. बिम्बिसार, भोजराज गौरखेड़े, डॉ. (मेजर) मनोज राजे, सुनील बोरसे सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। अध्यक्षता एन.एल. मेश्राम ने की। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति, बालाघाट जिला बौद्ध संघ, समता सैनिक दल, भीम आर्मी और दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया का विशेष योगदान रहा।

35 वर्षीय युवक का फांसी के फंदे पर लटका मिला शव

कटंगी। कटंगी शहर के पुराना पेट्रोल पंप चौक में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां 35 वर्षीय युवक का शव उसी के घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान शिवम दीक्षित (35) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शिवम अपनी नानी के साथ रहता था। शनिवार सुबह करीब 7 बजे उसी के घर में फांसी के फंदे पर उसका शव लटका देखा गया जिससे हड़कंप मच गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना पर सुबह करीब 8 बजे कटंगी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर स्थल पंचनामा की कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया और पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले को हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शिवम नशा करने का आदी था और कथा-पूजा कराकर अपना जीवन यापन करता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

उकवा फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचीं चार टीमें, खिताबी मुकाबले के लिए बढ़ा रोमांच

आरकेएम नारायणपुर छत्तीसगढ़, मायल बायज उकवा,मॉयल इलेवन एफसी बालाघाट और आरटी बॉयज हैदराबाद ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

हरिभूमि न्यूज उकवा। मॉयल लिमिटेड सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में 65 वां मॉयल सार्वजनिक दुर्गा उत्सव के महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अखिल भारतीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 से मॉयल ग्राउंड उकवा खान मे कराया जा रहा है जिसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए एवं विजेता ट्रॉफी इसी तरह द्वितीय पुरस्कार पचपन हजार पांच सौ पचपन रु एवं रनर ट्रॉफी विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रदान की जाएगी ।टूर्नामेंट के संरक्षक श्री उमाकांत भुजाडे अभिकर्ता एवं महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में मुख्य अतिथि श्री निषाद निकोसे प्रबंधक उकवा खान जयंता प्रधान अंडरग्राउंड खान प्रबंधक उकवा जेम्स बारिक उपाध्यक्ष जिला फुटबॉल एसोसिएशन बालाघाट विशिष्ट अतिथि श्री विवेक महाकालकर रुपझर थाना प्रभारी कामेश धुमकेती ओमेंद्र बिसेन पत्रकार अशोक राउत आनंद गोदरे सलीम खान संजना बर्बे टूर्नामेंट के सातवें दिन का पहला आर के एम नारायणपुर छत्तीसगढ़ एवं मॉयल बायज उकवा के मध्य खेला गया जिसमे आर के एम नारायणपुर छत्तीसगढ़ 4-0 गोल दाग कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकी हैं । इसी तरह टूर्नामेंट का दूसरा रंगीया टाउन क्लब रंगीया आसाम एवं नेशनल फुटबॉल क्लब



महू इंदौर के मध्य खेला गया जिसमें दोनों ही टीमें बराबरी पर रही ।नवदुर्गा उत्सव समिति कोषाध्यक्ष श्री विशाल सालुंखे संदीप मरकाम कार्यक्रम सचिव अजय बडोले बी कोटेश्वर राव आकाश मोंडे ऋषिकेश करवाडे व्यवस्था समिति महेश धुर्वे हर्बल तागड़े राजेंद्र भारद्वाज कृष्ण कठोते प्रवीण नायर तरुण कौशिक टूर्नामेंट एवं नवदुर्गा समिति सह सचिव विनय टांडी प्रीतम यादव । आज खेले जाने वाले पहला फुटबॉल मैच आर टी बायज हैदराबाद एवं मायल इलेवन एफ सी बालाघाट के मध्य होगा इसी तरह आज का दूसरा मैच आर के एम नारायणपुर छत्तीसगढ़ एवं मायल बायज उकवा के मध्य खेला जाएगा यह टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश कर आज अपने खेल का प्रदर्शन करेगी।आज रात्रि मे आर्केस्ट्रा एस गोगा प्रेसेन्टस अमीषा घोष नागपुर एवं स्वस्तिका ठाकुर मुम्बई के द्वारा आर्केस्ट्रा की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी । मैच कमिश्नर अंजल सिग ठाकुर इन मैचो के मुख्य निर्णायक गोविंद परमार इंदौर कपिल पंद्रे उकवा शाहरुख खान टीकमगढ़ विकास वडकडे अंम्बुज गुप्ता अनूपपुर रोहित यादव उकवा तरुण चक्रवर्ती ने निर्णायक की मुख्य भूमिका निभाई ।

लगातार शिकायतों के बाद जागा खनिज विभाग, पौनी नदी घाट पर कार्रवाई

जेसीबी से रास्तों पर खुदवाए गड्ढे, अवैध रेत परिवहन रोकने की पहल; सुबह 11 बजे तक तेज रफ्तार से दौड़ते ट्रैक्टरों से ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज लांजी।

सोन नदी के विभिन्न घाटों से कथित तौर पर हो रहे अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आखिरकार खनिज विभाग सक्रिय हुआ। बालाघाट से खनिज विभाग की टीम 17 अक्टूबर को किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पीपलगांव के पौनी नदी घाट पर पहुंची। यहां टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से रेत परिवहन में इस्तेमाल किए जाने वाले रास्तों पर गड्ढे और नालियां खुदवाकर ट्रैक्टरों की आवाजाही रोकने का प्रयास किया।क्षेत्र में लंबे समय से नदी घाटों से रेत निकालकर ट्रैक्टरों के माध्यम से परिवहन किए जाने की शिकायतें सामने आ रही थीं। ग्रामीणों का आरोप है कि रेत का अवैध कारोबार करने वाले लोग रात के अंधेरे में नदी से



रेत निकालकर तेज रफ्तार से ट्रैक्टर दौड़ाते हुए गांवों और मुख्य मार्गों से गुजरते हैं। इससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, सुबह टहलने निकलने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है।

रात 3 बजे से सुबह 11 बजे तक ट्रैक्टरों की आवाजाही

ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में रेत से भरे ट्रैक्टरों की आवाजाही तड़के लगभग 3 बजे से शुरू होकर सुबह 11 बजे तक जारी रहती है। कई बार तेज रफ्तार से गुजरने वाले इन वाहनों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सुबह के समय मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और अन्य राहगीरों को सड़क पर संभलकर चलना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो कोई गंभीर हादसा हो सकता है।

पौनी नदी घाट सहित सोन नदी क्षेत्र के अन्य घाटों से कथित अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर ग्रामीणों द्वारा लगातार शिकायतें की जा रही थीं। लोगों ने प्रशासन से इस गतिविधि पर रोक लगाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। शिकायतों के मद्देनजर बालाघाट कलेक्टर के आदेश तथा खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में विभागीय टीम ने घाट पर पहुंचकर रास्तों का निरीक्षण किया।इसके बाद जेसीबी से उन मार्गों पर गड्ढे और नालियां खुदवाई गईं, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर रेत से भरे ट्रैक्टरों की आवाजाही के लिए किया जा रहा था। विभाग की इस कार्रवाई को अवैध परिवहन रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रास्तों को बंद करने की कार्रवाई के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर कितनी प्रभावी रोक लग पाती है। ग्रामीणों का मानना है कि केवल रास्तों पर गड्ढे खुदवाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। इसके लिए नदी घाटों की नियमित निगरानी, रात के समय गश्त और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई भी जरूरी है।ग्रामीणों ने सोन नदी के सभी संवेदनशील घाटों की जांच कर अवैध उत्खनन की शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करने की मांग की है। अब क्षेत्रवासियों की नजर खनिज विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी है। लोगों को उम्मीद है कि विभाग की इस पहल से रेत के अवैध परिवहन पर अंकुश लगेगा और गांवों की सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ने वाले ट्रैक्टरों से उत्पन्न खतरा कम होगा।


डूंडासिवनी


ईश्वर नगर ज्यारत नाका में विराजी मां भगवती


अंबिका चौक, कॉलेज रोड


भवानी मढिया


सोमवारी चौक


दलसागर


बस स्टैंड



शंकर मढिया


विंध्यवासिनी मंदिर, गणेश चौक


छिंदवाडा रोड, रेलवे क्रोसिंग के पास


छिंदवाडा चौक


आज़ाद वार्ड

शारदीय नवरात्र में ज्वाला देवी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, 316 मनोकामना ज्योति कलश स्थापित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

सिवनी। शारदीय नवरात्र महोत्सव के पावन अवसर पर भैरोंगंज, परतापुर रोड स्थित सिद्धपीठ ज्वाला देवी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिल रहा है। माँ आदिशक्ति के दर्शन के लिए दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुँच रहे हैं, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर है।

इस वर्ष मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा 316 मनोकामना ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं। यह परंपरा भक्तों की गहरी आस्था और विश्वास का प्रतीक है। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएँ पूर्ण होने पर माँ के चरणों में ज्योति कलश स्थापित कर कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

देशभर में फैली है माँ ज्वाला देवी के प्रति आस्था

माँ ज्वाला देवी के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था केवल सिवनी जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों एवं महानगरों तक फैली हुई है। मंदिर में स्थापित मनोकामना ज्योति कलश दिल्ली, मणिपुर, मुंबई, पुणे, नागपुर, इंदौर, भोपाल, बैतूल, नर्मदापुरम, नेपानगर (बुरहानपुर), जबलपुर, सागर, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा सहित सिवनी जिले और अन्य स्थानों के श्रद्धालुओं द्वारा स्थापित किए गए हैं। यह माँ के प्रति भक्तों की अटूट श्रद्धा और विश्वास को दर्शाता है।

नवरात्र महोत्सव के दौरान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, नवचंडी पाठ, हवन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। आचार्य अजय शास्त्री द्वारा नवचंडी पाठ संपन्न कराया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

अष्टमी पर पूजन-हवन, नवमी को मौन आसन एवं भव्य कलश विसर्जन शोभायात्रा

महोत्सव के अंतर्गत 18 अक्टूबर, अष्टमी को शाम 5 बजे पूजन एवं हवन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 19 अक्टूबर, नवमी को दोपहर 2 बजे नवमी पूजन तथा दोपहर 3 बजे मौन आसन का आयोजन होगा। इस अवसर पर पुजारी जी द्वारा भक्तों को मनोकामना पूर्ति के लिए विशेष भेंट प्रदान की जाएगी।

इसके पश्चात पुजारी जी द्वारा सवा किलो जलते हुए खप्पर के साथ हवन कुंड की परिक्रमा की जाएगी, जिसे मंदिर की विशिष्ट धार्मिक परंपरा माना जाता है। इसी क्रम में शाम 5 बजे मंदिर परिसर से भव्य कलश विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा के दौरान मनोकामना ज्योति कलश स्थापित करने वाली माताओं-बहनों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।रात्रि में मंदिर परिसर में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है जिसमें श्रद्धालुओं जन उपस्थित होकर भण्डार प्रसाद जरूर ग्रहण करे।



दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु, मंदिर में किए गए विशेष इंतजाम नवरात्र के दौरान सुबह से देर रात तक मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। भक्त माँ ज्वाला देवी के दिव्य दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं। सिवनी जिले के साथ-साथ प्रदेश के अन्य जिलों एवं विभिन्न राज्यों से भी श्रद्धालु लगातार मंदिर पहुँच रहे हैं। मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिससे दर्शन एवं धार्मिक आयोजन सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

162 शनिवारों से निरंतर हो रहा संगीतमय सुंदरकांड पाठ

सिद्धपीठ ज्वाला देवी मंदिर आज क्षेत्र में आस्था और भक्ति के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है। मंदिर की एक विशेष धार्मिक परंपरा यह भी है कि यहाँ लगातार 162 शनिवारों से संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन में प्रत्येक सप्ताह बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भक्ति, आध्यात्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करते हैं। मंदिर में निरंतर हो रहे धार्मिक अनुष्ठान माँ भगवती के प्रति भक्तों की अटूट श्रद्धा एवं समर्पण को दर्शाते हैं।

सिवनी से छिंदवाड़ा मार्ग की दुर्दशा से परेशान यात्रा यात्री राहगीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिला मुख्यालय से छिंदवाड़ा मार्ग की सीमा समसवाड़ा के बीच गुजरने वाले सडक़ मार्ग की दुर्दशा को लेकर क्षेत्र के लोग परेशान हैं इस मार्ग में अनेक गांव आते हैं जहां से लोगों का दो पहिया एवं चार पहिया सहित अनेक वाहनों से आना-जाना होता है लेकिन देखा जा रहा है कि इस मार्ग के निर्माण के अभी कुछ बरसे ही बीते हैं और मार की स्थिति अनेक गढ्ढों में तब्दील हो गई है जिसके कारण लोगों को परेशानी हो रही है सडक़ निर्माता द्वारा मार्ग के निर्माण के दौरान इस सडक़ के मेंटेनेंस का दायित्व भी लिया गया था लेकिन हालात यह है कि अपनी खामी छुपाने के लिए निर्माण करता एजेंसी द्वारा सडक़ों के गडडों को थिगड़े के रूप में गट्टू लगाकर औपचारिकता पूरी की जा रही है क्या ऐसे हालात में संबंधित जन एवं जिला प्रशासन ऐसी कंपनियों पर कार्यवाही करने का प्रयास क्यों नहीं करती यह लोगों की समझ से परे है। ज्ञातव्य है कि सिवनी कृषि प्रधान जिला है और वर्षभर किस इसी मार्ग से अपनी फसल को लाने ले जाने का कार्य करते हैं नए मार्ग के निर्माण के दौरान लोगों से टैक्स के लिए शिवानी की सीमा पर टोल टैक्स नाका भी बनाया गया जिसके माध्यम से कई वर्षों से इस मार्ग के नाम पर टैक्स भी वसूला जा रहा है और ठेकेदारों को लाभान्वित किया जा रहा है लेकिन आमजन को होने वाली परेशानी से किसी को कोई सरोकार नहीं है जिसको देखते हुए लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है अगर समय रहते इस मार्ग को पूरी तरह से दुरुस्त नहीं किया गया तो हो सकता है क्षेत्र के लोग आगामी दिनों में वृहद आंदोलन के लिए भी बाध्य हो सकते हैं।

उल्लेखनीय होगा कि इसी मार्ग से होकर नगर का के प्रसिद्ध मात्र धाम कातलबोडी जिसे स्वामी स्वरूपानंद जी की माता श्री की जन्मस्थली के रूप में पहचाना जाता है और श्रद्धालु यहां पर तीर्थ के रूप में दर्शन करने के लिए यहां पर आते हैं लेकिन मार्ग की दुर्दशा को देखते हुए दुख व्यक्त करते हैं। इतना ही नहीं सैकड़ो वर्ष पुराने षष्ठी माता कपूरधा धाम के रूप में लोग जानते हैं और यहां पर लोगों की आस्था और श्रद्धा देखने को मिलती है लोगों की मनोकामना पूर्ण होती है इसलिए लोग दूर-दूर से आते हैं लेकिन इस मार्ग से गुजरने के दौरान लोग यहां से अपनी याद स्वरूप यहां के जर्जर मार के गड्ढे को याद करते हैं। राजनीतिक एवं औद्योगिक दृष्टि से शिवानी और छिंदवाड़ा एक ऐसे केंद्र हैं जहां पर व्यापारी वर्ग का भी आना जाना रहता है और यहां से दिन में एक बार गुजरने के बाद लोग यहां के गधों के कारण दोबारा गुजरा उचित नहीं समझते अगर समय रहते इसका सुधार हो जाता है तो इससे दोनों जिलों के बीच व्यापार एवं राजनीतिक एवं सामाजिक संबंधों में भी प्रकार का आएगी।

आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, अनुशासन एवं समय प्रबंधन पर विशेष व्याख्यान

सिवनी। शासकीय कन्या महाविद्यालय, सिवनी के कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, अनुशासन एवं समय प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश सरवैया के संरक्षण में तथा कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. लक्ष्मी मेश्राम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आत्मविश्वास के महत्व से अवगत कराते हुए सुश्री वर्षा पांडे ने छात्राओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने और जीवन में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने हेतु प्रेरित किया । वक्ता ने कहा कि सकारात्मक सोच व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढने की प्रेरणा देती है। अनुशासन जीवन में सफलता प्राप्त करने का आधार है, जबकि समय प्रबंधन विद्यार्थियों को अपने अध्ययन, व्यक्तिगत विकास और अन्य गतिविधियों के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायता करता है।व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं को नियमित अध्ययन, लक्ष्य निर्धारण, समय का सदुपयोग तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें बताया गया कि आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण, अनुशासन और समय प्रबंधन को जीवन का हिस्सा बनाकर वे अपने शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकती हैं।कार्यक्रम छात्राओं के व्यक्तित्व विकास एवं कैरियर निर्माण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल रहा।

2.076 घनमीटर सागौन लकड़ी बरामद, वन अपराध दर्ज , जांच शुरू

लांजी के अमेड़ा गांव में वन विभाग की दबिश, घर से सागौन के 150 नग जब्त

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



बालाघाट जिले के लांजी वन परिक्षेत्र के अमेड़ा (ब) गांव में शनिवार को वन विभाग की टीम ने तलाशी के दौरान सागौन की 150 नग लकड़ी जब्त की है। विभाग के अनुसार, जब्त लकड़ी की कुल मात्रा 2.076 घनमीटर है। मामले में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर लकड़ी के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई है।

पश्चिम लांजी वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार के अनुसार, तिजु दमाहे के घर की तलाशी के दौरान सागौन की चिरान के 141 नग बरामद हुए, जिनकी मात्रा 0.791 घनमीटर है। इसके अलावा 9 लट्ठे भी जब्त किए गए, जिनकी मात्रा 1.285 घनमीटर बताई गई है। दोनों की कुल मात्रा 2.076 घनमीटर है।

यह कार्रवाई दक्षिण सामान्य वनमंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर की गई। कार्रवाई में पश्चिम लांजी वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार, पूर्व लांजी वन परिक्षेत्र अधिकारी शुभम कुल्हाडे, पश्चिम लांजी वन परिक्षेत्र का वन अमला और रैपिड रिस्पॉन्स टीम (आरआरटी) के सदस्य शामिल रहे।

वन परिक्षेत्र अधिकारी के मुताबिक, लकड़ी कहां से लाई गई थी, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल विभाग की ओर से लकड़ी के स्रोत को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

सुरक्षा के निर्देश दिए, जलस्तर कम होने से छोटे पुल पर नदी के बीच होगा विसर्जन

कलेक्टर ने देवी प्रतिमा विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



बालाघाट में नवरात्र पर्व खत्म हो रहा है। मंगलवार से सार्वजनिक प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू होगा। सुरक्षित विसर्जन को लेकर कलेक्टर आदित्य सिंह ने शनिवार को वैनगंगा नदी के घाट पर विसर्जन कुंड का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने सुरक्षा के निर्देश दिए। विसर्जन घाटों पर अनाउंसमेंट होगा और जलस्तर कम होने से प्रतिमाएं नदी के बीच विसर्जित होंगी। रात में श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसके लिए पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने को कहा।

एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि शहर में 70 प्रतिमाएं स्थापित हैं। इनके विसर्जन के लिए वैनगंगा नदी के छोटे पुल, विसर्जन कुंड, महामृत्युंजय घाट आदि पर पुलिस, नगर पालिका, होमगार्ड व एसडीईआरएफ की टीमें तैनात होंगी।

नवरात्र का समापन नवमी पर होगा। मंगलवार से प्रतिमा विसर्जन दो-तीन दिनों तक चलेगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके भी मौजूद रहेंगे।

श्रद्धालुओं की मां दुर्गा की आराधना सुख समृद्धि की कामना

ग्राम सोनपुरी में दुर्गा महोत्सव की महा आरती में उमड़ी भीड़



हरिभूमि न्यूज किरनापुर। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति सोनपुरी में नौ दिवसीय दुर्गा महोत्सव का आयोजन किया गया! इस महोत्सव की महा आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, उन्होंने मां दुर्गा की पूजा की और परिवार की सुख समृद्धि मांगी। महा आरती के दौरान पंडाल में भक्ति का माहौल था ,मां दुर्गा की जय कारों से पूरा परिसर गुंजने लगा, श्रद्धालुओं ने नियमों के अनुसार पूजा कर माता रानी का आशीर्वाद लिया ।आयोजन समिति महोत्सव के लिए व्यवस्था कर रही है, 9 दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालु हिस्सा ले रहे हैं। इस मौके पर बंटी अर्जुनवार, सुनील कांवरे, कमलेश चौधरी, पवन कावरे, पूर्व विधायिका श्रीमती पुष्प लता कांवरे, चंदू रांहग डाले, अरविंद वरांडे ,राधेश्याम पांचे , नंदकिशोर पांचे, लिखन लाल कांवरे और भी अन्य भक्तगण शामिल हुए, तथा दूर दराज से आए महिलाओं ने भी इस महा आरती में शामिल होकर आशीर्वाद लिया।

देश के प्रसिद्ध धम्म प्रशिक्षक इंजी किशोर होगे मुख्य मार्गदर्शक

बुद्ध अम्बेडकर मिशन प्रचार केंद्र सिताखोह में 70वा धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस पर धम्म प्रशिक्षण शिविर होगा सम्पन्न



हरिभूमि न्यूज बालाघाट। कटंगी मुख्यालय से 5किमी दूर स्थित बुद्ध अम्बेडकर मिशन प्रचार प्रसार केंद्र सिताखोह कटंगी में 70 वा धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर धम्म प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 18 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया गया है। प्रमोद राउत अध्यक्ष बुद्ध अम्बेडकर मिशन प्रचार प्रसार केंद्र सिताखोह कटंगी ने जारी बयान में बताया की तथागत सम्यक संबुद्ध व आधुनिक बुद्ध परम पूज्य डॉ बाबा साहब अंबेडकर जी के विचारों को जनमानस तक पहुंचाने हेतु वरिष्ठ सामाजिक धार्मिक बंधुओं के अथक सहयोग से उक्त स्थल का निर्माण किया गया है।

उक्त ऐतिहासिक धम्मभूमि को बुद्ध अम्बेडकर मिशन प्रचार प्रसार केंद्र सिताखोह को प्रमुख रूप में जाना जाता है दलित मेश्राम (तहसील अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ तहसील शाखा तिरोड़ी) ने समस्त बुद्ध अम्बेडकर मिशन के अनुयायियों से आव्हान किया है की बुद्ध अम्बेडकर मिशन प्रचार प्रसार संघ सिताखोह में पूर्व की तरह प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर बुद्ध अम्बेडकर मिशन को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु सतत प्रयासरत रहेगे उक्त ऐतिहासिक धम्म भूमि में समय समय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा उक्त ऐतिहासिक धम्म शिविर में बुद्ध अम्बेडकर मिशन के जानकार देश के प्रमुख प्रशिक्षक इंजी किशोर जी प्रमुख मार्गदर्शक होगे दलित मेश्राम प्रमोद राउत ने सयुक्त रूप से आव्हान किया अधिक से अधिक तादाद में बौद्ध उपासक उपासिकाये बुद्ध अम्बेडकर मिशन प्रचार प्रसार संघ सिताखोह में आयोजित कार्यक्रम में 18 अक्टूबर दोपहर 11बजे अधिक से अधिक तादाद में शरीक होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी किरनापुर के कार्यालय में जिला एकेडमी सदस्यों की परामर्शदात्री समिति के सदस्यों की हुई बैठक



हरिभूमि न्यूज किरनापुर। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जिला एकेडमी सदस्य सम्माननीय श्री सुनील मेश्राम जी की उपस्थिति में शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संगठन पदाधिकारी की मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें निम्न अनुसार प्रस्ताव प्राप्त हुए एवं निराकरण हेतु सुझाव के अनुसार आगामी कार्रवाई निश्चित की गई।

विकासखंड के समस्त संकलन की शिक्षक कर्मचारियों की बढ़ोतरी महंगाई भत्ते, एरियर्स का भुगतान कराया जावे। विकासखंड की शिक्षकों की क्रमोन्नति एरियर्स के भुगतान की समीक्षा किया जावे। सेवानिवृत शिक्षक/ कर्मचारियों के लंबित स्वामित्व के भुगतान की समीक्षा फॉर्मेट तैयार कर पेंशन, ग्रेच्युटी, जीआईएस/ जीपीएफ ,अर्जित अवकाश का भुगतान इत्यादि भुगतान की समीक्षा किया जावे। विकासखंड की समस्त शिक्षक कर्मचारी जी ने नवीन अंशदायीपेंशन योजना के तहत कटौती होती है उनकी पासबुक संधारित किया जावे।

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ शाखा किरनापुर जिला बालाघाट मध्य प्रदेश के ब्लॉक अध्यक्ष श्री दुलीचंद हुकरे द्वारा दिए गए ज्ञापन बिंदु क्रमांक 1 से 7 तक के उल्लेखित समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। विभागीय परामर्शदात्रि समिति की बैठक में शामिल जिला एकेडमिक सदस्य श्री सुनील मेश्राम जी ने अवगत कराया कि संगठन और विभागीय समस्याओं की समीक्षा करके सामंजस्य से स्थापित किया जाता है। श्री मेश्राम जी ने शिक्षक और कर्मचारियों को सामाजिक स्तर पर विद्यार्थियों के लिए शासन प्रशासन की योजनाओं को क्रियान्वित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया एवं समस्त समस्याओं की समाधान हेतु आवश्यक कार्य योजना की अपेक्षा प्रस्तुत किया।

कैरियर काउंसलर शिक्षकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न



हरिभूमि न्यूज बालाघाट। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से जिले के हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में पदस्थ कैरियर काउंसलर शिक्षकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण 13 से 16 अक्टूबर तक डाइट बालाघाट में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के सभी विकासखंडों के कैरियर काउंसलर शिक्षकों ने सहभागिता की।प्रशिक्षण के पहले चरण में 13 एवं 14 अक्टूबर को बालाघाट, लालबर्रा और कटंगी विकासखंड तथा दूसरे चरण में 15 एवं 16 अक्टूबर को परसवाड़ा, बैहर, बिरसा, वारासिवनी, लांजी, किरनापुर और खैरलांजी विकासखंड के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।मास्टर ट्रेनर सलिल पाण्डे एवं कैलास सोनवाने ने कैरियर गाइडेंस का परिचय, उपलब्ध संसाधन, कैरियर मार्गदर्शन के सिद्धांत, कैरियर चयन तथा निर्णय लेने में पूर्वाग्रह जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को विद्यार्थियों की रुचि, क्षमता और कौशल के अनुरूप कैरियर चयन में प्रभावी मार्गदर्शन देने के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्री-टेस्ट एवं पोस्ट-टेस्ट आयोजित किया गया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के संबंध में फीडबैक भी लिया गया।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन, एडीपीसी मोहित डेहरिया, विकासखंड शिक्षा अधिकारी बालाघाट मोनिका पटेल एवं सहायक संचालक सी.एस. मरावी ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप सही कौशल एवं पाठ्यक्रम का चयन कराने में कैरियर काउंसलरों की महत्वपूर्ण भूमिका है।प्रशिक्षण के सफल आयोजन में पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढ़ी, बालाघाट के प्राचार्य एस.के. तुरकर एवं डीव्हीसी गुलाब टेम्भरे का सहयोग रहा। प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए सीखी गई जानकारियों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई।

ग्राम वारा व दुर्गावती नगर के पास नहर में पाए गए मृत बायसन

वारासिवनी की बड़ी नहर से वन विभाग ने दो मृत बायसन को निकाला

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।



वारासिवनी से बालाघाट मार्ग पर स्थित ग्राम वारा गांव से होकर गुजरने वाली बड़ी नहर में वारा के समीप मृत बायसन बहकर आए। शनिवार शाम करीब चार बजे पुलिया से गुजर रहे राहगीरों ने नहर में दोनों बायसन को रेल्वे पुल के नीचे अटका हुआ देखा और वन विभाग को सूचना दी। दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के अंतर्गत वन परिक्षेत्र वारासिवनी सामान्य का अमला मौके पर पहुंचा और एक शव को वारा की बड़ी नहर की पुलिया और दूसरे शव को दुर्गावती नगर वारासिवनी के समीप पुलिया से निकाला गया। मृत बायसन में एक नए व एक मादा शामिल है, जिनकी उम्र करीब 10 वर्ष बताई जा रही है। उन्हें देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। दूसरी ओर इस मामले को छिपाने के लिए वन विभाग बेहद तत्पर नजर आया। अधिकारियों द्वारा मोबाईल से मृत बायसन की फोटो एवं विडियो बनाने से लोगों को रोकने का लगातार प्रयास किया गया। लेकिन उसके बावजूद भी लोगों ने मृत बायसन के फोटो व विडियो बनाये।

दरअसल, सिवनी की ओर से बहकर आई वैनगंगा नदी पर लामता तहसील के ढूँटी गांव में अंग्रेजों के जमाने का ढूँटी जलाशय बना है। इससे वारासिवनी, लालबर्रा, खैरलांजी और बालाघाट तहसील क्षेत्रों की बड़ी नहरों में पानी छोड़ा जाता है। रबी और खरीफ धान फसल की सिंचाई के लिए सिंचाई विभाग नहर में पानी छोड़ता है। अधिकांश नहर जंगलों से होकर गुजरती है। वारासिवनी से मेहंदीवाड़ा की ओर जाने वाली यह नहर कायदी, जोड़ा पाट और लालबर्रा क्षेत्र से होकर आती है, इसके किनारे घने जंगल है। आसपास सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व की सीमा और मध्य प्रदेश वन विकास निगम लालबर्रा का जंगल भी लगा है, जहां बड़ी संख्या में वन्य जीव पाए जाते हैं। आशंका है कि नहर पार करते समय तेज बहाव में दोनों जंगली भैंसे बह गए होंगे या उनका शिकार किया गया। यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

इनका कहना है:-

वारासिवनी की बड़ी नहर में वारा की पुलिया और दुर्गावती नगर वारासिवनी की बड़ी पुलिया के समीप बायसन मृत अवस्था में बहकर आए। बायसन नर व मादा है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच कर दोनों शव बरामद कर लिए गए है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

छत्रपाल सिंह जादौन,
वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी

पीएम श्री शासकीय हाईस्कूल डाइट में सेवा संकल्प अभियान का समापन, विद्यार्थियों ने दी गरबा की मनमोहक प्रस्तुति

स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति जागरूकता सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट ।



पीएम श्री शासकीय हाईस्कूल डाइट, बालाघाट में एक माह तक चले सेवा संकल्प अभियान का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यालय में एक माह तक स्वच्छता, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए किचन वेस्ट से जैविक खाद बनाने तथा वृक्षारोपण जैसी गतिविधियां कराई गईं। इसके साथ ही नशामुक्ति जागरूकता, योग, ध्यान दिवस, गांधी जयंती और विज्ञान प्रदर्शनी सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने तथा सेवा, स्वच्छता और सकारात्मक संकल्प के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

प्राचार्य ने बताया नवरात्रि का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व

कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती गीता बंसपाल ने नवरात्रि पर्व के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऋतु परिवर्तन के दौरान व्रत रखने की परंपरा के महत्व को समझाया। साथ ही मां दुर्गा के समक्ष गरबा करने के धार्मिक भाव, उसके अर्थ और सांस्कृतिक परंपरा के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

गरबा और भजनों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

नवरात्रि के उल्लासपूर्ण माहौल में आयोजित गरबा कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय के शिक्षकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पारंपरिक गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। इस दौरान संगीत शिक्षक श्री पुनीत शर्मा के साथ शिक्षिकाओं श्रीमती सुनीता कटरे, श्रीमती खेमेश्वरी नागपुरे, श्रीमती ललिता चौधरी, श्रीमती ममता वराडे, श्रीमती नीता पटले, श्रीमती ज्योति पंचेश्वर, श्रीमती ममता मिश्रा तथा शिक्षक श्री संतोष चौधरी, श्री संतोष डालथोबिया एवं श्री मुकेश वडिचार ने सहभागिता की। वहीं, भजनों और जस की प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए सेवा, संस्कार, स्वच्छता और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। सेवा संकल्प अभियान के समापन पर विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और सकारात्मक कार्यों में निरंतर योगदान देने का संदेश दिया गया।

बालाघाट में विकास की नई रोशनी : आरडीएसएस योजना के तहत 33/11 केवी उपकेंद्र का भव्य लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



शहर की विद्युत वितरण व्यवस्था को नई ऊर्जा देने वाले क्षण का आज साक्षी बना बैहर बायपास रोड। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पुनरुत्थान वितरण क्षेत्र योजना (RDSS) के अंतर्गत नवनिर्मित 33/11 केवी उपकेंद्र का लोकार्पण शनिवार, 17 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे गरिमामय समारोह में सम्पन्न हुआ।इस आधुनिक उपकेंद्र में 5 MVA क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर (PTR) की स्थापना की गई है, जो आने वाले वर्षों में बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करने और लो-वोल्टेज की समस्या को समाप्त करने में मील का पत्थर साबित होगा।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी ने फीता काटकर उपकेंद्र को जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में RDSS योजना बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है और बालाघाट को आत्मनिर्भर बना रही है।इस अवसर पर म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेन्द्र बिसेन, वार्ड 5 की पार्षद श्रीमती लोहिना पंचेश्वर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विभागीय अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थितिः कार्यक्रम में विद्युत विभाग की ओर से अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उईके, कार्यपालन अभियंता लक्ष्मण सिंह वल्के, रवि कुमार कुम्हरे, चंद्रहास चंद्राकर, सहायक अभियंता राजीव रंजन, हुकुमचंद यादव, अविनाश देशमुख, सरफराज कुरैशी, आर.एल. बीहोने एवं कनिष्ठ अभियंता अभिलाष भिवगढे सहित पूरा अमला मौजूद रहा।

10 हजार उपभोक्ताओं के घर रोशन होंगेः कार्यक्रम में विद्युत विभाग की ओर से अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उईके, कार्यपालन अभियंता लक्ष्मण सिंह वल्के, रवि कुमार कुम्हरे, चंद्रहास चंद्राकर, सहायक अभियंता राजीव रंजन, हुकुमचंद यादव, अविनाश देशमुख, सरफराज कुरैशी, आर.एल. बीहोने एवं कनिष्ठ अभियंता अभिलाष भिवगढे सहित पूरा अमला मौजूद रहा।

इस नवीन उपकेंद्र के प्रारंभ होने से बालाघाट शहर वितरण केंद्र के अंतर्गत बैहर रोड, देवटोला, फ्रेंड्स कॉलोनी, मरारी मोहल्ला, सुभाष चौक, इतवारी बाजार, देवी तालाब तथा सरेखा-1 केंद्र के अंतर्गत सरेखा, कोसमी, नवेगांव के लगभग 10,000 उपभोक्ताओं को निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।निश्चित ही यह उपकेंद्र बालाघाट की विद्युत अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और उज्ज्वल भविष्य की ओर एक सशक्त कदम है।